THE PIONEER PAGE 3

LU student, team get $75,000 for start-up

Lucknow (PNS): Lucknow University's Engineering Faculty's student Shivam Singh and his team comprising Siddharth Singh & Vikash Rathore have received $75,000 (technical credit) as funding for their start-up 'Oregen' from Xartup Investment.

Shivam Singh, who is a third-year student of Computer Science Engineering, said that students of tier-2, tier-3 or average colleges have to struggle a lot to get jobs. "Most students are unaware of the skills required for particular industries, markets, and today's education system and market requirements have a wide gap between them," he said.

To reduce this gap, he said, he thought of making a gamified learning app 'Oregen'.

Oregen is a gamified learning experience and a new-age skill development platform. It teaches you relevant skills for the modern world which help you to get the requisite tools and mindset for the right career choices. But to develop this platform, a lot of funds were needed. The team prepared a pitch deck, business plan, competitive advantage plan and financing plan for the start-up. As a student, it was difficult to make investors have trust in a start-up. The team approached more than 20 investors with the business plan. After interview rounds with many investors, a question-answer session and interview with Xartup Investments led to the funding offer. With the help of this, now the team is preparing a minimum viable product of the start-up and soon the start-up will be launched on Play Store.

"Students will be able to download the app and learn skills from leading market leaders which will lead to better job offers for them," spokesperson of Lucknow University Durgesh Srivastava said.

HINDUSTAN PAGE 6

छात्र को स्टार्टअप के लिए फंड मिला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के छात्र शिवम सिंह और उनकी टीम (सिद्धार्थ सिंह, विकास राठौर) को स्टार्टअप ओरेजेन के लिए जार्टप इन्वेस्टमेंट कंपनी से लगभग 75 हजार डॉलर की फंडिंग टेक्निकल क्रेडिट के रूप मे मिली।

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र शिवम सिंह के अनुसार जो छात्र टियर 2, टियर 3 या औसत निम्न कॉलेजों में पढ़ रहे हैं, उन्हें नौकरी पाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ रहा है। आज की शिक्षा प्रणाली और बाजार की जरूरतों के बीच के अंतर को कम करने के लिए शिवम सिंह ने एक गेमीफाइड लर्निंग एप ओरेजेन बनाने का सोचा है। ओरेजेन एक आगामी न्यू एज स्किल डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म है। जो वर्तमान दुनिया के लिए प्रासंगिक कौशल सिखाता है। काफी सारे इन्वेस्टर्स के साथ कई इंटरव्यू होने के बाद आखिर में जार्टप इन्वेस्टमेंट कंपनी ने फंडिंग दी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

उपलब्धि | लविवि के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए बनाया है स्टार्टअप

शिवम के स्टार्टअप को 55 लाख की फंडिंग

माई सिटी रिपोर्टर

शिवम सिंह।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के छात्र शिवम सिंह और उनकी टीम को उनके स्टार्टअप 'ओरेजेन' के लिए जार्टप इंवेस्टमेंट कंपनी से लगभग 75 हजार डॉलर (55,80,671) की टेक्निकल क्रेडिट के रूप में फंडिंग मिली है। कंप्यूटर साइंस तृतीय वर्ष के छात्र शिवम ने अपने साथियों सिद्धार्थ सिंह व विकास राठौर के साथ मिलकर एक गेमीफाइड लर्निंग एप 'ओरेजेन' तैयार किया। शिवम ने कहा कि जो छात्र छोटे जिले या औसत कॉलेजों में पढ़ रहे हैं, उन्हें नौकरी पाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ रहा है। क्योंकि अधिकांश छात्र उद्योग, बाजार की आवश्यकता के अनुरूप कौशल नहीं विकसित कर पाते। जबकि आज की शिक्षा प्रणाली और बाजार की जरूरतों के बीच बहुत बड़ा फर्क है।

इसलिए मैंने आज की शिक्षा प्रणाली और बाजार की जरूरतों के बीच के अंतर को ध्यान में रखते हुए एक ऐप न्यू एज स्किल डवलपमेंट प्लेटफॉर्म तैयार किया, जो आपको वर्तमान दुनिया के लिए प्रासंगिक कौशल सिखाता है। इससे अच्छा कॅरियर बनाने के लिए आवश्यक उपकरण और मानसिकता विकसित करने में मदद मिलती है। इस प्लेटफॉर्म को विकसित करने के लिए काफी फंड की जरूरत थी। इसके लिए लंबी कवायद के बाद जार्टप इंवेस्टमेंट कंपनी ने लगभग 75 हजार डॉलर की फंडिंग की है। जल्द ही इस स्टार्टअप को प्ले स्टोर पर लॉन्च करेंगे ताकि छात्र डाउनलोड करके मुफ्त में शीर्ष उद्योग विशेषज्ञों से नए युग के कौशल सीख सकेंगे।

लविवि : आठ केंद्रों पर होगी एमकॉम की परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की एमकॉम मुख्य व एमकॉम अप्लाइड इकोनॉमिक्स की परीक्षा आठ केंद्रों पर होगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना के अनुसार परीक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय, श्री गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज, श्री जय नारायण पीजी कॉलेज, कालीचरण डिग्री कॉलेज, रजत डिग्री कॉलेज, शिया पीजी कॉलेज, रामा डिग्री कॉलेज, सीडी गर्ल्स डिग्री कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया है। बीजेएमसी पहले व छठे सेमेस्टर की परीक्षा के लिए लविवि, एमए हिंदी चौथे सेमेस्टर की परीक्षा के लिए लविवि व बीएसएनवी पीजी कॉलेज, एमए अंग्रेजी चौथे सेमेस्टर के लिए लविवि व नेताजी सुभाष चंद्र बोस कॉलेज, एमए अर्थशास्त्र चौथे सेमेस्टर के लिए लविवि व मुमताज पीजी कॉलेज और बीपीएड पहले व चौथे सेमेस्टर के लिए लविवि, जेएनपीजी, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 8

स्टार्टअप शुरू करने को यूनिवर्सिटी के छात्रों को मिले 75 हजार डॉलर

LUCKNOW (22 July):लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के छात्र शिवम सिंह और उनकी टीम में शामिल सिद्धार्थ सिंह, विकास राठौर को उनके स्टार्टअप 'ओरेजेन' के लिए जार्टप इन्वेस्टमेंट कंपनी से लगभग 75 हजार डॉलर की फंडिंग टेक्निकल क्रेडिट के रूप में मिली है.

नौकरी में होगी आसानी

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र शिवम सिंह के अनुसार जो छात्र टियर 2/टियर 3 या औसत कालेजों में पढ़ रहे हैं, उन्हें नौकरी पाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ रहा है. अधिकांश छात्र, उद्योग एवं बाजार की आवश्यकता के अनुरूप, उनके पास होने वाले कौशल से अनजान हैं. आज की शिक्षा प्रणाली और बाजार की जरूरतों के बीच के अंतर को कम करने के लिए शिवम सिंह ने एक गेमीफाइड लर्निंग एप 'ओरेजेन' बनाने की सोची. ओरेजेन गेमीफाइड लर्निंग अनुभव के साथ एक आगामी न्यू एज स्किल डेवलपमेंट प्लेटफार्म है. छात्र ने बताया कि इसके लिए 20 से ज्यादा इंवेस्टर्स से संपर्क कर उन्हें अपना पूरा बिजनेस प्लान भेजा था. जार्टप इन्वेस्टमेंट कंपनी में दो राउंड की इंटरव्यू के बाद लगभग 75 हजार डॉलर की फंडिंग पर सहमति दी, जिसकी मदद से स्टार्टअप का मिनिमम वायबल प्रोडक्ट तैयार कर रहे हैं.

लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग के छात्र शिवम की टीम को मिली सौगात

बीकॉम में तीन छात्राओं को 100% अंक

रिकॉर्ड

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

बी.कॉम की सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम हों या वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम... कभी किसी छात्र को बी.कॉम में सौ फीसद अंक नहीं मिले। कोरोना से पहले तक जब परीक्षाएं हुई तब भी अधिकतम 98 फीसद अंक परीक्षार्थियों को मिले लेकिन कोरोना काल की दूसरी लहर में जब प्रथम और द्वितीय वर्ष को इंटरनल मार्क्स के आधार पर प्रमोट किया तो बी.कॉम की छात्राओं ने सौ फीसदी अंक पाकर रिकार्ड बना दिया।

बीती 20 जुलाई को ही प्रमोट किए गए छात्रों का परिणाम निकलना शुरू हुआ। पहला परिणाम बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का निकला।

जिसमें आईटी कॉलेज की तीन छात्राओं अंजना सिंह, तबिता सागर प्रसाद और खुशी गर्ग ने सौ प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार और कॉलेज का नाम रोशन किया।

ऐसे हुई इंटरनल मार्किंग

पहले और दूसरे वर्ष के छात्र-छात्राओं को इंटरनल असेसमेंट के आधार पर प्रमोट किए जाने की नीति बनायी गई थी। जिसमें 20 नम्बर का इंटरनल असेसमेंट होना था। 20 नम्बर में छात्र को दस अंक उपस्थिति, 5 अंक असाइनमेंट और 5 अंक वायवा के लिए निर्धारित किए गए थे। इंटरनल असेसमेंट में मिले नम्बर को चार से गुणा कर थ्योरी के अंक दिए गए और इंटरनल अंकों को भी जोड़ा गया। जैसे कि छात्र को इंटरनल असेसमेंट 20 में 15 अंक मिले तो 15 अंक को चार से गुणा कर 60 अंक थ्योरी के दिए और इसमें असेसमेंट में मिले 15 अंक भी जोड़े तो कुल 75 अंक प्राप्त हुए।

महाविद्यालयों का प्रदर्शन बेहतर

सम्बद्ध महाविद्यालयों का परिणाम भी बेहतर रहा। एलयू के छात्रों को 70 से 90 फीसद अंक मिले तो महाविद्यालयों के छात्रों के औसत अंक 80 से 95 फीसद तक हैं।

एलयू: अंतिम वर्ष की परीक्षा के केन्द्रों की सूची जारी

एलयू परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने अन्तिम वर्ष की परीक्षाओं के लिए एमए अंग्रेजी, एमए हिन्दी, एमए अर्थशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर के साथ बीपीएड प्रथम, चतुर्थ सेमेस्टर, बीजेएमसी प्रथम, छठे सेमेस्टर के परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी की। सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड है। एमए हिन्दी के लिए एलयू और बीएसएनवी को केन्द्र बनाया है। एमए अंग्रेजी की परीक्षा के लिए एलयू और सुभाष चन्द्र बोस डिग्री कॉलेज और एमए अर्थशास्त्र के लिए एलयू और मुमताज डिग्री कॉलेज को केन्द्र बनाया गया। बीजेएमसी का परीक्षा केंद्र सिर्फ एलयू को बनाया गया। बीपीएड के लिए एलयू, जेएनपीजी और क्रिश्चियन कॉलेज को केन्द्र बनाया है। एमकॉम (प्योर) और एमकॉम (एप्लाइड इकोनॉमिक्स) के लिए आठ केन्द्र हैं। विवि की ऑनलाइन परीक्षा में गुरुवार को कोई छात्र अनुपस्थित नहीं रहा।

i-NEXT PAGE 3

एलयू: पीजी-यूजी सेमेस्टर एग्जाम के लिए सेंटर्स तय

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने जारी की सेंटर्स की सूची

LUCKNOW (22 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी और यूजी सेमेस्टर एग्जाम के सेंटर की लिस्ट जारी कर दी है. एग्जाम के लिए निम्न सेंटर्स बनाए गए हैं. एमए हिंदी फोर्थ सेमेस्टर एग्जाम के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी, बीएसएनवी पीजी कॉलेज, एमए अंग्रेजी फोर्थ सेमेस्टर के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महाविद्यालय, एमए इकोनॉमिक्स फोर्थ सेमेस्टर के लिए मुमताज पीजी कॉलेज, बीपीएड फर्स्ट व फोर्थ सेमेस्टर एग्जाम के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय, जेएनपीजी कॉलेज, आर्यावर्त इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजूकेशन, जीएसआरएम मेमोरियल पीजी कॉलेज, रजत डिग्री कॉलेज कमता पंचवटी, सिटी एकेडमी डिग्री कॉलेज, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज गोलागंज आदि.

JAGRAN CITY PAGE I

18 केंद्रों पर पीजी के कई विषयों की परीक्षाएं

जासं, लखनऊ: लखनऊ विवि ने बीजेएमसी, एमए हिंदी, अंग्रेजी व बीपीएड सहित परास्नातक के कई कोर्सों की परीक्षाओं के लिए गुरुवार को केंद्रों की सूची जारी कर दी। अलग-अलग परीक्षाओं के लिए कुल 18 केंद्र बनाए गए हैं। सबसे ज्यादा एमकाम प्योर और एमकाम अप्लाइड इकोनामिक्स सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आठ केंद्र बनाए गए हैं।

बीजेएमसी सेमेस्टर (प्रथम, छठा सेमेस्टर) जून 2021 : इस परीक्षा के लिए लविवि को केंद्र बनाया गया है। यहां लविवि एवं अन्य सभी सहयुक्त महाविद्यालय के विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

एमए हिंदी चौथा सेमेस्टर : लविवि में विवि के विद्यार्थी परीक्षा देंगे। वहीं, बीएसएनवी पीजी कालेज में अन्य सहयुक्त महाविद्यालयों के छात्रों का केंद्र भेजा गया है।

एमए अंग्रेजी चौथा सेमेस्टर : लविवि परीक्षा केंद्र पर यहीं के छात्र आवंटित हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय अलीगंज केंद्र पर अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

एमए इकोनामिक्स चौथा सेमेस्टर : लविवि केंद्र पर लविवि और मुमताज पीजी कालेज के केंद्र पर अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

बीपीएड पहला, चौथा सेमेस्टर : इस परीक्षा के लिए लविवि का केंद्र लविवि में, जेएनपीजी कालेज केंद्र पर इस कालेज के साथ ही आर्यावर्त इंस्टीट्यूट आफ हायर एजुकेशन व जीएसआरएम मेमोरियल पीजी कालेज सरोजनी नगर के परीक्षार्थी भेजे गए हैं। लखनऊ क्रिश्चयन कालेज गोलागंज परीक्षा केंद्र पर रजत डिग्री कालेज चिनहट, सिटी एकेडमी डिग्री कालेज और भालचंद्र इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट के छात्र परीक्षा देंगे।

एमकाम प्योर और एमकाम एप्लाइड की परीक्षा के लिए ये हैं केंद्र: लविवि, श्रीगुरुनानक गर्ल्स डिग्री कालेज, श्री जयनारायण डिग्री कालेज, कालीचरण डिग्री कालेज, रजत डिग्री कालेज कमता चिनहट, शिया पीजी कालेज, रामा डिग्री कालेज, सीडी गर्ल्स डिग्री कालेज फैजाबाद।

उपस्थिति प्रमाणित किए बिना छात्रवृत्ति के आवेदन जमा नहीं

जिन छात्र-छात्राओं ने पिछली बार छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र का नवीनीकरण नहीं कराया था, अब उन्हें आवेदन पत्र के पहले पेज पर इसका कारण बताना होगा। दशमोत्तर छात्रवृत्ति के संबंध में वही विद्यार्थी पात्र होंगे, जिनकी कक्षाओं में उपस्थिति न्यूनतम 75 प्रतिशत होगी। इसके लिए भी विभागाध्यक्ष द्वारा इसे प्रमाणित किया जाएगा। समाज कल्याण विभाग के साथ हुई बैठक के बाद लविवि के कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि किसी छात्र की उपस्थिति गलत प्रमाणित होने की स्थिति में सत्यापन करने वाले अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि ने जारी की स्नातक व परास्नातक सेमेस्टर परीक्षा केन्द्रों की सूची

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार को स्नातक/परास्नातक सेमेस्टर परीक्षा के परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी कर दी है। परीक्षा केन्द्रों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दी गयी है। उधर एम कॉम (प्योर) तथा एमकॉम (एप्लाइड इकोनॉमिक्स) की परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी कर दी गयी है।

स्नातक/परास्नातक सेमेस्टर परीक्षा में बीजेएमसी प्रथम व छठे सेमेस्टर के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। इसी प्रकार एमए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालव तथा बीएसएनवी पीजी कालेज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। एमए अंग्रेजी चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महाविद्यालय,अलीगंज को केन्द्र बनाया गया है। एमए इकोनॉमिक्स चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा लखनऊ विवि तथा मुमताज पीजी कालेज को केन्द्र बनाया गया है। इसके अतिरिक्त बीपीएड प्रथम व चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा जीएन पीजी कालेज व क्रिश्चियन कालेज को केन्द्र बनाया गया है। उधर एमकॉम (प्योर) तथा एमकॉम (एप्लाइड इकोनॉमिक्स) की परीक्षा श्री गुरूनानक गर्ल्स डिग्री कालेज चारबाग, श्रीजय नारायण डिग्री कालेज, कालीचरण डिग्री कालेज हरदोई रोड, रजत डिग्री कालेज, शिया पीजी कालेज, रामा डिग्री कालेज तथा सीडी डिग्री कालेज को परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

लविवि के छात्र को मिली 75 हजार डॉलर की फंडिंग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के छात्र शिवम् सिंह और उनकी टीम (सिद्धार्थ सिंह, विकास राठौर) को उनके स्टार्टअप 'ओरेजेन' के लिए जार्टप इंवेस्टमेंट कंपनी से लगभग 75 हजार डॉलर की फंडिंग टेक्निकल क्रेडिट के रूप मे मिली। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र शिवम् सिंह के अनुसार जो छात्र टियर 2/टियर 3 या औसत/निम्न कॉलेजों में पढ़ रहे हैं, उन्हें नौकरी पाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ रहा है क्योंकि अधिकांश छात्र, उद्योग व बाजार की आवश्यकता के अनुरूप, उनके पास होने वाले कौशल से अनजान हैं और साथ ही आज की शिक्षा प्रणाली और बाजार की जरूरतों के बीच बहुत बड़ा फर्क है। शिक्षा प्रणाली और बाजार की जरूरतों के बीच के अंतर को कम करने के लिए शिवम सिंह ने एक गेमीफाइड लर्निंग एप 'ओरेजेन' बनाने का सोचा।

TOI PAGE 2

50 students from six colleges score 100% in BCom

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Scoring cent percent marks in BCom is a rarity but at least 50 students from six colleges affiliated to the Lucknow University have scored 100% marks in their first semester, highly-placed sources in the university told TOI on Thursday.

This became possible as examinations were not held this year due to the pandemic and students were awarded marks based on their internal assessment as recommended in the promotion policy of the state government.

Since these students had scored 100% marks in internal examinations, the aggregate for final results also came out to be 100%.

Commerce as a subject is taught in a number of colleges affiliated to LU. Of these, there are six institutions in which 48 out of about 700 students taken together have scored 100% marks in all the six papers taught in Semester I, said a senior professor associated with LU's examination department.

The examination department prepares the final result on the basis of the inputs provided by all the colleges before putting it in public domain for students.

"It is unusual for a student to score full marks in commerce papers in which the highest merit so far used to be around 80%. However, there has been no manipulation. We calculated the marks based on the results of internals," said a teacher of a prominent government-aided girls' college.

Significantly, students enrolled in LU have scored less than those in affiliated colleges. Earlier, it used to be vice versa. Some LU students even questioned how 100% marks can be given in internals.

"All students of my class have scored in the range of 75-90%, but in affiliated colleges, especially girls' college, some were awarded full marks. We also worked hard for our assignments but since we didn't get cent percent in internals, our final scores are less," said LU student Anshika Singh.